RAJYA SABHA

Wednesday, the 21st March, 1990/30 Phalguna, 1911 (Saka)

The House met at eleven of the clock, **Mr. Chairman** in the Chair.

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

Stocking of Arms and Ammunition in Gurdwaras by the Terrorists of Punjab

*121. SHRI SURESH KALMADI : Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether Government are aware of the situation in Punjab where arms and ammunition are again being stocked in Gurdwaras by the terrorists and anti-national elements ;

(b) if so, what steps are being taken to identify the culprits and to stop terrorist activities conducted from those religious places ; and

(c) whether the law-enforcing authorities have sought the cooperation of the managements of such religious places on the subject ; if so, the response received from them ?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED) : (a) According to information received from the Government of Punjab no such instance has come to their notice.

(b) and (c) Do not arise.

SHRI SURESH KALMADI : Sir I am very much surprised to hear the answer of the Minister. When the question is whether Government are aware of the situation where arms and ammunition are again being stocked in Gurdwaras by the terrorists and anti-national elements he says 'no information'. As Home Minister he has no information. And more about part (b). When I asked what steps are being taken to identify the culprits and to stop terrorist activities conducted from those religious places he said 'does not arise'. This is the tragic answer from the Home Minister of India. It is really very surprising.

Sir, the Prime Minister went on an open jeep ride and thought that that was the solution to Punjab problem. I am afraid due to the lethargy of the Government and the attitude of the Government, all the efforts made by the previous Government had been nullified. In the Golden Temple . . .

MR. CHAIRMAN : Put your question.

SHRI SURESH KALMADI : . . . the AISSF office and the Mann group office were opened at gun point. Will the Minister deny that this happened at the Golden Temple? I would like to know whether there is any system of checking people without causing any trouble going into the Gurdwaras.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : सभापति जी, मैंने अपने जवाब में यह कहा दिया। इन्होंने सवाल पूछा कि गुरद्वारा में आर्म्स को स्टोर किया जा रहा है, मैंने यह जवाब में कहा कि पंजाब गवर्नमेंट की यह इत्तला है कि ऐसी कोई बात नहीं है , आर्म्स को गुरद्वारों में स्टोर नहीं किया जा रहा है। इस सवाल का जवाब मैंने दिया है।

SHRI SURESH KALMADI : I asked. . .

श्री सभापति : सप्लीमेंटरी जो इन्होंने पूछा है, उसका जवाब दीजिये।

SHRI SURESH KALMADI : I asked whether the AISSF and the UAD Mann group offices were opened at gun point in the Golden Temple and whether there is any system of checking people going into the Gurdwara. This is a specific question that I have asked. I want a reply.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : गोल्डन टेम्पल में नहीं मगर वहां अकाल रेस्ट हाऊस है जो गोल्डन टेम्पल के साथ लगता है, उस में ए०आई०एस०एस०एफ० का आफ़िस खोला गया है । यह बात सही है ।

SHRI SURESH KALMADI : I asked whether it was opened at gun point. That is number one. Specifically I am also asking whether there is any system of checking people coming inside for arms.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : एस०जी० पी० सी० की तरफ़ से हिदायत की गई है, गोल्डन टेम्पल में उसकी परिक्रमा में और उस इलाके में किसी पोलिटिकल आर्गेनाइजेशन का आफ़िस नहीं खोला जा सकता । यह उनकी रिस्पोंसिबिलिटी है लेकिन ए० आई०एस०एस०एफ० , मान ग्रुप ने उसका एक एरिया है रेस्ट हाऊस का वहां अपने आफ़िस खोले हैं । यह बात सही है ।

SHRI SURESH KALMADI : Sir, the terrorist killings has been on the increase and in the last two days over 30 people were killed and the Home Minister has gone to Punjab yesterday. I would like to know whether he has visited, when he went to Moga, etc., any Gurdwaras and saw for himself.

श्री मफ्ती मोहम्मद सईद : मैं तो वाघा पर गया हूं । वहां के लोगों से मिला, किसी गुरद्वारे में नहीं गया ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : सभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से मन्त्री महोदय से यह कहना चाहूंगा कि यह बड़ा इम्पोर्टेंट सवाल है कि ऑपेरेशन ब्लू स्टार, ऑपेरेशन ब्लैक थंडर गुरद्वारे में अस्त्र और शस्त्र और उग्रवादी का जो वहां जमाव, हो गया था, उनको क्लीन-आऊट करने के लिए किया गया था । अभी गुरद्वारों की बात तो क्या करें, मान ग्रुप के जीते हुए जो लोक सभा के सदस्य हैं वही कह रहे हैं कि हम पार्लियामेंट के अन्दर आर्म्स ले कर आएंगे और उनको परमिशन दी जाए । तो गुरद्वारों में आप कैसे रोकेंगे, उसके बारे में आपने सोचा है या नहीं ? मेरा पहला सवाल है कि गुरद्वारे के अन्दर पहले जैसे एस०जी०पी०सी० का नियम था, कोई भी गुरद्वारे में मत्था टेकने जाता था, उसके पास यदि अपना लाइसेंस्ड आर्म भी होता था तो जहां पेकेट वगैरह या दूसरी चीज जमा की जाती थी वहां पर अपने अस्त्र-शस्त्र भी जमा कर दिए जाते थे । और एक पुर्जे देने के बाद मत्था टेकने जाते थे, सिर्फ़ उनके साथ कृपाण जाया करती थी । यह फिर से चालू किया है या नहीं, और (ख) है कि तरन तारन गुरद्वारे में अभी कुछ दिन पहले मान ग्रुप के अध्यक्ष सिमरनजीत सिंह मान वहां एक मीटिंग कर रहे थे और वहां एक भगोड़ा और पंथिक कमेटी का सदस्य और खुखार-आतंकवादी गुरजन्त सिंह उपस्थित था जिसने स्टेज पर चढ़कर सिमरनजीत सिंह मान को धमकी दी थी । उसने कब्जा कर रखा है और अस्त्र तथा शस्त्र वहां जमा कर रखे हैं । क्या खुफ़िया विभाग ने इन्हें खबर मिली है या नहीं उसको बताने की कृपा करें ।

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : गुरद्वारों का अगर मैं मेन्शन करूंगा, कि पंजाब में कितने गुरद्वारे हैं तो वहां हर गांव में गुरद्वारे हैं । कभी-कभी वहां लोग-बाग आफ़ वर्शिप में जमा होकर लाउड स्पीकर का इस्तेमाल करते हैं । जहां तक तरन तारन गुरद्वारे का ताल्लुक है वहां ये लोग जमा हुए थे, वहां मान जी थे, उनके जो आर्म्स हैं उनको लेकर अंदर गये थे लेकिन किसी गुरद्वारे में आर्म्स स्टोर किये गये हैं यही कोई बात नहीं है ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : गुरद्वारे के अन्दर जाने के पहले बाहर चेक करने की प्रथा एस०जी०पी०सी० ने बन्द की है या नहीं । एस०जी०पी०सी० पर क्या उनका कोई दबाव है या नहीं ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : जी, दर्शन सिंह रागी और एस०जी०पी०सी० का एक कोड आफ़ कंडक्ट है, ये अपनी तरफ से पूरी कोशिश करते हैं इस हिदायत को गुरद्वारे के अन्दर लागू करने की, खासकर स्वर्ण मन्दिर परिक्रमा के अन्दर कि कोई

सामान लेकर निकलना लेकर या कोई और आर्म्स लेकर अन्दर न जाय और बाहर ही रखे ।

SHRI SUKOMAL SEN : Sir, presently the killings in Punjab have increased. Now, the hon. Minister has said that terrorists have not stockpiled any arms and ammunitions in Gurudwaras. Then, I would like to know from the hon. Minister that if they have not stocked any arms and ammunitions in the Gurudwaras, has the Government any information whether there are any other depots or places where they have stocked these arms and ammunitions? Are there any dumps where they are stocking these arms and using them against innocent people, or are they simply coming across the border, killing our people here and then running back ? If there are any arms dumps, have the Government any information about that ?

श्री सूफ़ती मोहम्मद सईद : जहां-जहां इंटेलीजेंस को इत्तिला मिलती है कि आर्म्स टेररिस्ट्स ने जमा कर रखे हैं वहां रेड हो चुकी है और टेररिस्ट्स को अरेस्ट किये गये हैं तथा आर्म्स को भी रिकवर किया जाता है। जनरली कोई हाइडिंग प्लेस होता है वहां से आर्म्स को रिकवर करते हैं ।

श्री राम नरेश यादव : माननीय, जिस समय की स्थिति पंजाब में है उसके एक बात तो क्लियर हो गई है कि गुरुद्वारे में नहीं पर इस तरह के आर्म्स और अम्युनिशंस जरूर छिपे हुए हैं । लेकिन एक बात तो साफ है कि जिस तरह से हत्याएं हो रही हैं उन लोगों के पास तो हथियार जरूर हैं । कोई आर्म्स चल रहा है । मैं जानना चाहता हूं कि फरवरी से मार्च में अब तक कितने आतंकवादी पकड़े गये हैं और कितने विदेशी हथियार या और जो एक्सप्लोसिव सब्सटेंस है वह इन लोगों के कब्जे से बरामद हुआ है।

श्री सूफ़ती मोहम्मद सईद : दिसम्बर 1989 से 17 मार्च, 1990 तक 139 आतंकवादी मारे गये हैं और 167 हैव बीन अरेस्टेड ।

श्री राम नरेश यादव : मेरे प्रश्न का उत्तर नहीं आया । मैंने यह पूछा कि कितने आर्म्स पकड़े गये हैं और इनमें से कितने विदेशी हैं । जो आपने तलाशियां ली उनमें से कितने विदेशी आर्म्स पकड़े गये हैं । उन लोगों के पास से कितने कितने हथियार बरामद हुए हैं और विदेशी हथियार उनमें से कितने हैं तथा एक्सप्लोसिव सब्सटेंस कितना विदेशी था ?

श्री सूफ़ती मोहम्मद सईद : इसके लिए सेपरेट डिटेल चाहिए ।

श्री सभापति : आपको नोटिस चाहिए ।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : Sir it cannot be denied that the situation in Punjab has deteriorated sharply during the last two-three days. Therefore, there has to be a certain amount of renewed bid on the part of the Government to ensure that the terrorists are not allowed to do what they are doing at the moment. I expect the hon. Minister to kindly speak in this regard.

This being the background of framing my supplementary, I would like to know from the hon. Minister whether the Government will assure the House that they will not allow religious places to be used as a springboard for launching terrorist activities in Punjab. There should be a clear-cut assurance in this regard. Not only assurance. The Government should also spell out the steps to be taken in this regard. This is part (a) of my supplementary.

Part (b) of my supplementary is, since the situation is deteriorating fast and since the terrorists are now moving in groups to kill people indiscriminately —earlier, they used to move in groups of two-three people; now they move in groups consisting of a larger number of

people—there is panic everywhere. Therefore, in this background, part (b) of my supplementary is, what is the Government contemplating to do to put down seriously the terrorist activities in Punjab ? This is very important. Of course we want a political settlement. But we do not want any compromise with any form of terrorism. From that point of view I would like to have straight answers to these two questions.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : मि० चेयरमेन यह बात दुरुस्त है कि पिछले कोई डेढ़ हफ्ते में रैंडम किलिंग, पहले अबोहर में हुई और फिर मोगा में और कल चंडीगढ़ में भी एक घटना हो गई। एक बम का एक्सप्लोजन हुआ, जिसमें दो आतंकवादी जो मोटरबाईक पर सवार थे, वह भी मारे गये।

जो इसके बारे में आज मेरे ख्याल में पंजाब की जो ग्रुप्स हैं, उस पर डिसकशन है। मैं उसमें इंटरवीन करना चाहूंगा कि सरकार की इन हालात के साथ निपटने की क्या पालिसी है, उससे कैसे निपटा जाएगा, उसके बारे में जब मैं हाऊस में इंटरवीन करूंगा तो उसके बारे में बताऊंगा।

SHRI GURUDAS DAS GUPTA : My other question has not been answered in regard to misuse of religious places. Does the Government assure that it will not allow it?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : पहले ही एक कानून पास किया गया है, जिसमें यह है कि रिलीजियस प्लेस को राजनैतिक मकसद के लिए इस्तेमाल नहीं किया जाएगा, लेकिन जहां तक उस पर अमल है, मसलन कहीं गांव में कोई गुरुद्वारा है, लोग वहां जाते हैं, वहां लाऊड-स्पीकर का इस्तेमाल —हर जगह इस पर जब तक लोग और एस०जी०पी०सी० इसमें कोआपरेशन नहीं करेगी, तब तक सरकार के लिए हर गुरुद्वारे में कंट्रोल करना मेरे ख्याल में मुश्किल है।

उसको हम नहीं कर सकते हैं, सिर्फ जैसे गोल्डन टैम्पल का ताल्लुक है और बड़े-बड़े जो गुरुद्वारे हैं, रिलीजियस प्लेस हैं, वहां सरकार रख सकती है, हर गुरुद्वारे में पुलिस रहे, यह मेरे ख्याल में मुमकिन नहीं है।

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : Sir, I really pity the manner in which this Government is trying to push everything under the carpet and pull wool over its eyes. Leave alone the hundred-and-one days. Even if we were to give them full 1725 days—five years—they are totally incapable of solving the Punjab problem. (*Interruptions*).

SHRI P. UPENDRA : He is speaking from his own experience. (*Interruptions*).

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : You may laugh. But the fact remains ... (*Interruptions*). You laugh because people are dying in Punjab. (*Interruptions*).

I realise that. If this is your perception, if this is your attitude ... (*Interruptions*).

MR. CHAIRMAN : This is a serious matter. Let us take it seriously.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : This is a very serious matter. We have been paying the price. Sir, whenever a call was given from the Gurdwara things could not be brought under control but whenever a call was given by the same people from outside the Gurdwara they could achieve nothing. In fact the increase in terrorist activities is directly related to the legitimacy which this Government is giving to terrorism.

I do not accept the statement of the hon. Home Minister at all that there is no stockpiling of arms and no defiling of Gurdwaras. I would like to ask him whether he has called

any leaders of the Gurdwaras and held any negotiations with them in the matter of checking the stockpiling; and if so, what are the details of these negotiations ?

SHRI MUFTI MOHAMMAD SAYEED : There is no question of stockpiling. As far as my information goes the State Government . . .

MR. CHAIRMAN : He has got the information as given by the State Government.

SHRI MURLIDHAR CHANDRAKANT BHANDARE : What can we do ? You will wait till some more innocent people die . . . Sir, he has not answered my question about any negotiations having been held at all to prevent stockpiling.

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : महोदय, मैं मंत्री महोदय से जानना चाहूंगा कि जैसा उन्होंने कैटेगोरिकली कह दिया कि गुरुद्वारे के अंदर कहीं पर भी कोई "अटाक पार्टिंग आफ आर्म्स" नहीं है, यह मैं मान भी लूं । साथ-साथ आप ने यह भी कहा कि जब तक एस० जी० पी० सी० कोआपरेट नहीं करेगी तब तक यह काम नहीं हो सकता कि गुरुद्वारों को मिस-यूज करने से आप रोक सकें । तो मैं स्पेसिफिकली जानना चाहूंगा कि आप वहां पर एस० जी०पी०सी० के इलेक्शन कब करवाने जा रहे हैं ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : अभी वहां एस०जी०पी०सी० के इलेक्शन का कोई शेड्यूल नहीं है ।

श्री सभापति : वह कह रहे हैं कि एस०जी०पी०सी० के इलेक्शन को बहुत वक्त हो गया है और आप करवाने जा रहे हैं या नहीं और कब तक ?

(व्यवधान)

श्री हरवेन्द्र सिंह हंसपाल : मैं सिर्फ एस०जी०पी०सी० की बात कर रहा हूं । Elections are now overdue for nearly a year. इसके लिए आप क्या सोचते हैं ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : एस०जी० पी० सी० के चुनाव का अभी शेड्यूल नहीं है । एसेम्बली के, पंचायत के और दूसरे इलैक्शंस . . .

श्री सभापति : इलैक्शन का एक पीरियड होता है । वह पीरियड एक्सपायर हो गया है । वह जानना चाहते हैं कि are you going to hold those elections?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : कोई शेड्यूल नहीं है . . . (व्यवधान) . . .

श्री हरवन्द्र सिंह हंसपाल : महोदय, पंजाब इनकी प्रायरिटी में नहीं है : पंजाब का कोई शेड्यूल नहीं है । 11 मई को वहां पर प्रेसीडेंट रूल खत्म होने वाले है , इनको यह पता नहीं है कि वहां क्या करना है ? एस०जी०पी०सी० के लैक्शंस कई सालों से ड्यू हैं, इनको पता नहीं क्या करना है ? They have not considered the matter. They are not concerned about Punjab.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : महोदय, मैंने अभी कहा कि आज पंजाब के बजट पर बहस हो रही है, उसमें मेरा इंटेंशन इंटरवीन करने का है । उस समय मैं इस संबंध में बोलूंगा ।

SHRI E. BALANANDAN : Sir, the situation in Punjab is really disturbing. The whole House is now very seriously disturbed because of the developing atrocities against innocent citizens in Punjab. Yesterday the Home Minister had made a statement which has appeared in the Press today. I want to know from the hon. Minister what new steps are being contemplated by the Government to meet the developing terrorist activities in Punjab.

श्री पवन कुमार बांसल : आज कह दिया कि आज डिबेट है । कल को कह देंगे कि दो महीने के बाद डिबेट होगी, उसमें सब कुछ कह देंगे ।

MR. CHAIRMAN : He will make a statement and give you all the information when we discuss Punjab today.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL : But this is Question Hour. He has to reply to pointed questions.

SHRI SURESH KALMADI : This has nothing to do with discussion on Punjab this afternoon. He cannot get away by saying "I am going to speak later". This is question Hour. Sir, we seek your protection.

SHRI HARVENDRA SINGH HANSPAL : If he is not prepared he can say so.

SHRI SURESH KALMADI: He can ask the Minister for Punjab Affairs to reply. We underst and Mr. Gujral has been appointed as one.

SHRI VITHALRAO MADHAVRAO JADHAV: They are going to appoint a Minister for each State.

श्री राम अवधेश सिंह: गृह मंत्रीजी ने यह जो जवाब दिया कि स्वर्ण मंदिर के अलावा और जो गुरुद्वारे हैं, उनकी जिम्मेदारी सरकार नहीं ले सकती है कि इसमें टैररिस्ट्स जायेंगे तो उन्हें कैसे रोकेंगे । इससे बढ़कर नपुंसक जवाब नहीं हो सकता क्योंकि कोई सरकार ... **(व्यवधान)**

श्री यशवंत सिन्हा : ... **(व्यवधान)** ... ये दोनों तरफ वार करते हैं ।

श्री राम अवधेश सिंह : मैं विपक्ष में नहीं हूं । मैं सब की बात बोल रहा हूं क्योंकि कोई गृह मंत्री पंजाब जैसे जलते सवाल पर चर्चा हो और कह दे कि टेररिस्ट्स के बारे में और दूसरे गुरुद्वारों के बारे में हम जिम्मेदारी नहीं ले सकते हैं, तो इससे घटिया जवाब क्या हो सकता है? सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि क्या मंत्री जी बताने की कोशिश करेंगे कि अगर टैररिस्ट अपनी जगह शिफ्ट करके बड़े गुरुद्वारों से छोटे गुरुद्वारों में आ जायें और वहां से ज्यादा हत्यायें करने लग जायें तो आपकी सरकार क्या करेगी क्योंकि वे जानेंगे कि आपकी सरकार ऐसा जवाब देती है कि छोटे गुरुद्वारों में कुछ नहीं कर सकते तो वे वहां से शिफ्ट करके छोटे गुरुद्वारों में आ जायेंगे और ज्यादा हत्यायें करने लगेंगे, तब सरकार क्या करेगी ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : मैंने यह कह दिया था कि पंजाब के जैसे हर जगह रिलीजियस प्लेसेज हैं, मस्जिद है, मंदिर है, हर गांव में हैं और गुरुद्वारे भी हैं वहां सब लोग जायें, उनमें टैररिस्ट भी शामिल हैं, अगर वे उस गुरुद्वारे में जायें तो हमारे लिए, सरकार के लिए मुश्किल है कि हरेक गुरुद्वारे में पुलिस को रखें। यह लोगों को देखना है, लोगों में सेंस अवेयरनेस पैदा होनी चाहिए कि इन रिलीजियस प्लेसेस को राजनीतिक मकसद के लिए इस्तेमाल न किया जाए । फिजिकली यह गवर्नमेंट के लिए इम्पोसिबल है हर गुरुद्वारे पर पुलिस कंट्रोल करे । ... **(व्यवधान)** ... लेकिन जो रिलीजियस प्लेसेस हैं, जो बड़े-बड़े शहरों में हैं, जैसे गोल्डन टेम्पल है या दूसरे हैं, वहां पुलिस इस बारे में रेस्ट्रिक्शन कर सकती है कि किसी को आर्मस के साथ अंदर जाने की इजाजत न दे ।

श्री राम अवधेश सिंह : गांव में हत्याएं होंगी तो उसके बारे में क्या करेंगे आप । ... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : श्री एस० बी० चव्हाण

SHRI S. B. CHAVAN: Sir, may I ask one question of the hon. Home Minister? I believe, there is a perfect understanding between SGPC and the police in Punjab. The hon. Minister was pleased to say a little while ago that you cannot possibly expect anything, unless the SGPC were to cooperate with the Government, they cannot possibly take necessary action in the matter. These two seem to be rather contradictory statements. I would like to know the basis on which the hon. Minister has made a categorical statement that there are no stocks of arms in the Gurdwaras. Does that mean that before making this statement, he has ascertained from the

SGPC that they have looked into the matter and they are perfectly satisfied that no arms have been stocked there in the Gurdwaras and on that basis, the hon. Home Minister is making a statement in the House.

MR. CHAIRMAN: He has got the information from the Government of Punjab.

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : पंजाब गवर्नमेंट से हमने यह इत्तला ले ली है कि क्या ऐसा कहा है कि कहीं गुरुद्वारे में स्टाक पायलिंग आफ आर्म्स है और उनका जवाब है ऐसी बात नहीं है ।

श्री एस० बी० चव्हाण : एम० ओ० पी० सी० से पूछा है ?

श्री मुफ्ती मोहम्मद सईद : यह नहीं की बात है । . . . (व्यवधान) . . जितने भी उनके मेसेजेज आफ इफारमेशन है, SGPC may be the main source. That is there.

MR. CHAIRMAN: Question No. 122. Absent. Question No. 123.

*122 [*The question SHRI H HANUMAN THAPPA was absent For answer, vide col. infra.*]

Setting up more post offices in the State of Orissa

*123. SHRI BASUDEB MOHAPATRA: Will the Minister of COMMUNICATIONS be pleased to state:

(a) the number of Sub-Post Offices and Branch Post Offices which exist at present in the State of Orissa;

(b) whether there is a demand to set up more Post Offices in the rur a areas of the State;

(c) if so, the total number of Pos Offices likely to be opened in-that state during 1989-90 ?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES WITH ADDITIONAL CHARGE OF THE MINISTRY OF LAW AND JUSTICE (SHRI DINESH GOSWAMI) : (a) to (c) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) At present there are 1331 Sub-Post Offices, (including 196 extra-departmental Sub-Post Offices) and 6339 branch Post Offices in Orissa.

(b) There are demands for setting up more Post Offices in the rural areas of Orissa.

(c) 81 proposals for openingof new Post Offices in the rural areas of the State have been formulated. In view of the continuing ban on creation of posts, these proposals require the concurrence of Ministry of Finance before these offices are sanctioned.

SHRI BASUDEB MOHAPATRA : In reply to part (b) of the question, the Minister has agreed that there are demands for setting up more post offices in the rural areas of Orissa. According to the demand of the public, as well as the norms fixed by the Department, the PMG, Orissa Circle, had recommended opening of branch Post offices at 150 places during the current financial year. The Department is not following the norms. According to the guidelines fixed by the Department—

"(i) A group of villages constituting a single gram pachayat will be eligible for a post office provided that (a) the aggregate population of the group of villages is not less than 3000 in normal rural areas and 1500 in hilly, backward and tribal areas and (b) there is no other Post Office within the group."

(ii) The Post Office will normally be opened at the headquarters village of the gram panchayat. If such a village falls within 3 kms of an existing Post Office, the post office may be opened in another suitable village within the same gram panchayat which fulfil the distance condition."

Sir, I would like to know from the hon. Minister whether the norms and guidelines issued by the Department for opening new post offices in rural areas have been followed. If